



12 ज्योतिर्लिंग और सङ्गते 12 राशि सम्पर्क

12 ज्योतिर्लिंग और सङ्गते 12 राशि सम्पर्क

शास्त्र मते फाल्गुन मासरे कृष्ण पक्षरे चतुर्दशी तिथिते 64 टि स्थाने ज्योतिर्लिंग रूपे प्रकट हन महादेवे। एर मध्ये 12 टि स्थान सम्पर्के जाना याय। एह 12 स्थानेह द्वादश ज्योतिर्लिंग नामे परिचिते। एह बारोटी ज्योतिर्लिंगरे सङ्गते 12 टि राशि गभीर संयोग रय.छे।

1. मेष राशि सङ्गते सोमनाथ ज्योतिर्लिंगरे सम्पर्क वर्तमान। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग स्थापन करछेलिने स्वयं चन्द्र। उल्लेख्य चन्द्ररे अपर नाम सोम। शबि चन्द्रके नजिरे मस्तके धारण करने। तै एटिसोमनाथ ज्योतिर्लिंग नामे प्रसदि। महाशबिरात्रति एह ज्योतिर्लिंग दर्शन करते पारने।
2. अन्य दकिे मल्लिकार्जुनके वृष राशि अधपिति मनके करा हय। महाशबिरात्रतिे मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंगरे ध्यान ओ दर्शन करले सुफल पाओया यावे। एर फले सौभाग्य वृद्धि सम्भव।
3. महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग शबिरे तृतीय ज्योतिर्लिंग हसिबे चहिनति। महाशबिरात्रति तिथिते मिथुन राशि जातकरा उज्जयिनीते अवस्थति महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंगरे दर्शन करले सुफल पावने।
4. ज्योतिषि अनुयायी नर्मदार पाशे अवस्थति ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंगरे सङ्गते करकट राशि सम्पर्क वर्तमान। करकट राशिते जन्मग्रहणकारी व्यक्ती

ওংকারশ্বেৰ জ্যোতৰ্লিঙিগৰে ধ্যান ও পুজো করতে পারনে।

5. সিংহ রাশরি জাতকরা বহি়ারে দেবেঘরে অবস্থতি বৈদ্যনাথ জ্যোতৰ্লিঙিগৰে স্মরণ ও দর্শন করবনে। এখানে সিদ্ধি, ধুতরো দিয়ে শবি পুজো করলে বিশেষ ফলাফল লাভ করা যায়।

6. কন্যা রাশরি জাতকরা মহারাষ্ট্ররে ভীমা নদীতে অবস্থতি ভীমশঙ্কর জ্যোতৰ্লিঙিগৰে ধ্যান করবনে। দুধে ঘি মশিয়ে ভীমশঙ্কর জ্যোতৰ্লিঙিগৰে অভষিকে করলে অক্ষয় আশীর্বাদ পাওয়া যায়।

7. শবিস্বরূপ। দুধে মষিটি বাতাসা মলিয়ে রামশ্বেবরম জ্যোতৰ্লিঙিগৰে স্নান করালে শবি প্রসন্ন হন। এই জ্যোতৰ্লিঙিগে আকন্দ ফুল নবিদেন করা শুভ। □ তুলা রাশরি জাতকদের সম্পর্ক রয়েছে।

8. অন্য দকিে নাগশ্বেবর জ্যোতৰ্লিঙিগৰে সঙ্গে বৃশ্চকি রাশরি জাতকদের সম্পর্ক রয়েছে। দুধ, মুড়ি গিয়ে এই জ্যোতৰ্লিঙিগৰে স্নান করানো শুভ। এর পর গাঁদা ফুল ও বলেপাতা দিয়ে শবিলিঙিগৰে শৃঙ্গার করে নাগশ্বেবর জ্যোতৰ্লিঙিগৰে ধ্যান করুন।

9. জ্যোতষি অনুযায়ী ধনু রাশরি জাতকদের বারাণসী অবস্থতি বশ্বিনাথ জ্যোতৰ্লিঙিগৰে ধ্যান, দর্শন ও পুজো করুন। গঙ্গাজলে জাফরান মশিয়ে শবিলিঙিগৰে স্নান করালে সুফল পাবনে।

10. মকর রাশরি জাতকদের ত্রয়ম্বকশ্বেবর জ্যোতৰ্লিঙিগৰে দর্শন করা উচতি। গঙ্গাজলে গুড়, মশিয়ে শবিলিঙিগৰে অভষিকে করা শুভ। ত্রয়ম্বকশ্বেবর জ্যোতৰ্লিঙিগে নীল ফুল, ধুতরো অর্পণ করা উচতি।

11. কুম্ভ জাতকদের কদোরনাথ জ্যোতৰ্লিঙিগৰে দর্শন করা উচতি। পঞ্চামৃত, পদ্মফুল ও ধুতরো এই জ্যোতৰ্লিঙিগে নবিদেন করতে পারনে। এর ফলে মহাদেবের আশীর্বাদ বর্ষতি হবে।

12. অন্য দকিে মীন রাশরি জাতকরা ঘৃষ্ণশ্বেবর জ্যোতৰ্লিঙিগৰে ধ্যান ও পুজো করতে পারনে। মহারাষ্ট্ররে ঔরঙ্গাবাদে অবস্থতি এই জ্যোতৰ্লিঙিগে ঘি ও মধু নবিদেন করলে সুফল পাওয়া যায়।